होली पर्व पर शुभकामना

मूढ़ यहां करते सदा वर का भी कुप्रयोग ।

विपद्ग्रस्त भी विवेकी करता पर हित योग ।।

अग्निसात् अभिमान हो, छलबल, अत्याचार ।

अग्निपरीक्षोत्तीर्ण हों नीति, भक्ति, सुविचार ।।

प्रकटें जीवन में विविध नयनविमोहक रंग ।

असुरशक्ति विद्रोह फिर, जीवन का हो ढंग ।।

- शिव कुमार मिश्र